महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

ज्ञान शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय के रिद्धपुर केंद्र पर महानुभाव साहित्य की प्रदर्शनी व डिजिटल पुस्तकालय का हुआ शुभारंभ

भारतीय ज्ञान परंपरा की विरासत से विद्यार्थी जुड़े- कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा

वर्धा, दि. 05 अगस्त 2026: भारतीय ज्ञान परंपरा को तकनीकी के साथ जोड़कर वैश्विक आवश्यकता देखते हुए उसे 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' में शामिल किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को विद्यार्थियों में साझा करें जिससे विद्यार्थी देश के वर्तमान से जुड़े और भविष्य की आकांशाओं को पूरा कर सके, यह वक्तव्य महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी

विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने बुधवार, 5 अगस्त को विश्वविद्यालय के सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर (अमरावती) में आयोजित 'महानुभाव साहित्य की प्रदर्शनी' के उद्घाटन के अवसर पर दिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय शिक्षा समागम के तहत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर (अमरावती) द्वारा 5 अगस्त को 'महानुभाव साहित्य की प्रदर्शनी' में उद्घाटक तथा कार्यक्रम की अध्यक्ष के रूप में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा बोल रही थी। उन्होंने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को शिक्षा क्षेत्र का एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताया, जो शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन कर रहा है। उन्होंने ने बताया कि विश्वविद्यालय के रिद्धपुर केंद्र पर संचालित पायलट परियोजना का कार्य भी भारतीय ज्ञान परंपरा के कार्य से संबधित है, जिसके माध्यम से सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी की ज्ञान संपदा को वर्तमान पीढ़ी तक लाने का कार्य हो रहा है। प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में मंच पर रिद्धपुर केंद्र की प्रभारी डॉ. नीता मेश्राम, पायलट परियोजना के समन्वयक डॉ. राजेश लेहकपुरे की उपस्थिति थी।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org**

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

महानुभाव साहित्य की प्रदर्शनी में 12 वी शताब्दी की 36 हस्तलिखित पांडुलिपियाँ, वस्तुएं, ग्रंथ, रिद्धपुर के पुरातन विशेष स्थानों के चित्र (जिसमे राजमठ, सासु-सुन विहिर, लिळा चरित्र ग्रंथ निर्मिती स्थान (वाजेश्वरी), भैरव बुरूज, दोन्ही देवा भेटी स्थान, राजमठ प्रवेश द्वार, मातंग विहीर तथा लिळा) आदि साहित्य प्रदर्शित किया गया। साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और हिंदी भाषा के अंतरराष्ट्रीय प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान के लिए 'अंतरराष्ट्रीय प्रेमचंद सम्मान-2026' मिलने पर कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा का

रिद्धपुर केंद्र द्वारा सम्मान किया गया। प्रदर्शनी को शिक्षक, विद्यार्थियों ने भेट देकर प्राचीन साहित्य की जानकारी प्राप्त की। पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु तैयार किए जा रहे डिजिटल पुस्तकालय का शुभारंभ तथा मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर आधारित शोध जर्नल का विमोचन कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक रिद्धपुर केंद्र की प्रभारी डॉ. नीता मेश्राम ने तथा अतिथियों का परिचय पायलट परियोजना के समन्वयक डॉ. राजेश लेहकपुरे ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुमित वेलकर ने किया तथा कुनाल हरणे ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर रिद्धपुर केंद्र पर कार्यरत सहायक महेश राठोड, एमटीएस भूषण शिरभाते, सुरक्षाकर्मी रवीन्द्र ठाकरे, सफाईकर्मी निखिल गजभिये सहित आकाश गजभिये, सुमित वेलकर, उज्ज्वल गेदाम, पूजा हरणे, मनीषकुमार शेण्डे, कांचन श्रीराव, मोनिका श्रीराव, आस्था कांबले, अभिजीत पडोले, रामेश्वर नागोसे, प्रवीण गजभिये,सीमा पंजाबी, विद्या इल्लेकर, अंकिता देशमुख, योगेश पाटिल, सिद्धेस्वर काले, विशाल हिवरखेडकर, डॉ. स्वप्निल मून , डॉ. नितिन रामटेके, डॉ. मनोज मुनेश्वर,श्रेयश कोल्हेकर, अजय पटोले आदि की उपस्थित थी।

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालयाच्या रिद्धपूर केंद्रात महानुभाव साहित्य प्रदर्शनी आणि डिजिटल ग्रंथालयाचा शुभारंभ

भारतीय ज्ञानपरंपरेचा वारसा विद्यार्थ्यांनी जपावा - कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा

वर्धा, 05 ऑगस्ट, 2026 : भारतीय ज्ञान परंपरेला तंत्रज्ञानाशी जोडून जागतिक गरजेचा विचार करून, त्याचा 'राष्ट्रीय शिक्षण धोरण-2020' मध्ये समावेश करण्यात आला होता. भारतीय ज्ञान परंपरेचा ऐतिहासिक आणि सांस्कृतिक वारसा विद्यार्थ्यांपर्यंत पोहोचवणे, जेणेकरून ते देशाच्या वर्तमानाशी जोडले जातील आणि भविष्यातील आकांक्षा पूर्ण करू शकतील, असे मत महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ, वर्धा येथील कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांनी बुधवार, 05 अगस्त रोजी रिद्धपूर, अमरावती येथील विश्वविद्यालयाच्या सर्वज्ञ श्रीचक्रधर स्वामी मराठी भाषा आणि तत्त्वज्ञान अभ्यास केंद्रात आयोजित 'महानुभाव साहित्य प्रदर्शनी'च्या उद्घाटनाप्रसंगी व्यक्त केले.

'राष्ट्रीय शिक्षण धोरण 2020' ला सहा वर्ष पूर्ण झाल्याच्या निमित्त आयोजित अखिल भारतीय शिक्षण समागम-2026 च्या अंतर्गत सर्वज्ञ श्रीचक्रधर स्वामी मराठी भाषा आणि तत्त्वज्ञान अभ्यास केंद्र, रिद्धपूर, अमरावती द्वारा आयोजित 'महानुभाव साहित्य प्रदर्शनी'च्या उद्घाटक व कार्यक्रमाच्या अध्यक्षा म्हणून कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा बोलत होत्या. आपल्या भाषणात त्यांनी 'राष्ट्रीय शिक्षण धोरण 2020' चे वर्णन शिक्षण क्षेत्रातील एक ऐतिहासिक आणि क्रांतिकारक पाऊल असे केले. त्यांनी स्पष्ट केले की, विश्वविद्यालयाच्या रिद्धपूर केंद्रात राबविण्यात येत असलेला पायलट प्रकल्प हा देखील भारतीय ज्ञान परंपरेच्या कार्याशी संबंधित आहे, ज्याद्वारे सर्वज्ञ श्रीचक्रधर स्वामींची ज्ञानसंपदा वर्तमान पिढीपर्यंत पोहोचवली जात आहे. रिद्धपूर केंद्राच्या प्रभारी डॉ. नीता मेश्राम आणि पायलट प्रकल्पाचे समन्वयक डॉ. राजेश लेहकपुरे हे प्रदर्शनाच्या उद्घाटना प्रसंगी मंचावर उपस्थित होते. 'महानुभाव साहित्य प्रदर्शनी'मध्ये 12 व्या शतकातील 36 हस्तलिखिते, वस्तू, ग्रंथ आणि रिद्धपूरमधील प्रमुख प्राचीन स्थळांची (राजमठ, सासू-सुन विहीर, लिळा चरित्र ग्रंथ निर्मिती स्थान (वाजेश्वरी), भैरव बुरुज, दोन्ही देवा भेटी स्थान, राजमठ प्रवेशद्वार, मातंग विहीर आणि लिळा आदि) छायाचित्रे प्रदर्शित करण्यात आली होती. साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षण आणि हिंदी भाषेच्या उत्कृष्ट योगदानाबद्दल भारतीय-नार्वेजिय माहिती व सांस्कृतिक फोरम द्वारा कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांना 'आंतरराष्ट्रीय प्रेमचंद पुरस्कार 2026' देऊन सन्मानित करण्यात आले, त्याबद्दल त्यांचा रिद्धपूर केंद्रातर्फे सन्मान करण्यात आला. हस्तलिखितांच्या जतनार्थ विकसित होत असलेल्या डिजिटल ग्रंथालयाचे उद्घाटन आणि मराठी भाषा गौरव दिनानिमित्त आयोजित राष्ट्रीय परिसंवादावर आधारित शोधजर्नलचे विमोचन कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांनी केले. कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक रिद्धपूर केंद्राच्या प्रभारी डॉ. नीता मेश्राम यांनी तर मान्यवरांचा परिचय पायलट प्रकल्पाचे समन्वयक डॉ. राजेश लेहकपुरे यांनी करून दिला. कार्यक्रमाचे संचालन सुमित वेलकर यांनी केले तर कुणाल हरणे यांनी आभार मानले. प्राचीन साहित्याबद्दल जाणून घेण्यासाठी शिक्षक आणि विद्यार्थ्यांनी प्रदर्शनाला भेट दिली. कार्यक्रमास रिद्धपूर केंद्रावर कार्यरत सहायक महेश राठोड, एमटीएस भूषण शिरभाते, सुरक्षाकर्मी रवींद्र ठाकरे, सफाईकर्मी निखिल गजभिये, यांच्यासह आकाश गजभिये, सुमित वेलकर, उज्ज्वल गेडाम, पुजा हरणे, मनीषकुमार शेंडे, कांचन श्रीराव, मोनिका श्रीराव, आस्था कांबळे, मनीषकुमार शेंडे, प्रवीण गजभीये, सीमा पंजाबी, विद्या इल्लेकर, अंकिता देशमुख, योगेश पाटील, सिद्धेश्वर काळे, विशाल हिवरखेडकर, डॉ.स्वप्नील मून, डॉ.नितीन रामटेके, डॉ.मनोज मुनेश्वर, श्रेयश कोल्हेकर, अजय पाटोळे आदी उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** **www.hindivishwa.org**

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305